दैनिक भास्कर बीकानेर 12-09-2023

बीकानेर के एक दिवसीय दौरे के दौरान राज्यपाल ने विभिन्न कार्यक्रमों में की शिरकत

शैक्षिक नवाचारों को जितना अपनाया जाएगा हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के रास्ते खुलेंगे : मिश्र

एजुकेशन रिपोर्टर, बीकानेर

राज्यपाल कलराज मिश्र सोमवार को बीकानेर में रहे। महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय में अमृत वाटिका का लोकार्पण करते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति से देश ज्ञान आधारित बनेगा। इस नीति में स्टूडेंट्स की रुचि व विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। उन्होंने यूनिवर्सिटी में 'हमारी शिक्षा प्रणाली में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को स्वीकृत करने की संभावनाएं और चुनौतियां' विषय पर आयोजित नेशनल सेमिनार को संबोधित किया। मिश्र ने कहा कि नई शिक्षा नीति में विद्यार्थियों की रुचि व विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। उन्होंने कहा कि शैक्षिक नवाचारों को जितना अपनाया जाएगा, हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के रास्ते खुलेंगे। साहित्य, कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में विशेष योगदान देने वाले डॉ. छगन मोहता, डॉ. श्रीलाल मोहता, हरीश भादाणी, मोहम्मद सदीक, अजीज आजाद, राजानंद भटनागर, निर्मोही व्यास, रामदेव आचार्य, यादवेंद्र शर्मा चंद्र और अन्नाराम सुदामाआदि के योगदान को याद किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.मनोज दीक्षित, पूर्व कुलपति डॉ.एके गहलोत मौजूद रहे।

किसानों की आय बढ़ाने के लिए विविधिकरण जरूरी

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि कृषि से जुड़ी मौसमी व अन्य चुनौतियों के मद्देनजर कृषि के उत्पादन, संग्रहण, विविधिकरण और कृषि विपणन के कारगर तरीकों पर चिंतन किया जाए। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 'कृषकों की आय वृद्धि हेतु कृषि में विविधिकरण' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र में उन्होंने कहा कि बढ़ती जनसंख्या, छोटी होती जोत, प्राकृतिक संसाधनों की कमी, गिरता भू-जल स्तर, वनों का कटाई, ग्रीन हाउस गैसों के दुष्प्रभाव, मृदा की उर्वरा शक्ति में कमी और जलवायु परिवर्तन जैसी अनेक चुनौतियां कृषि के समक्ष हैं। सेमिनार के दौरान थीम आधारित पांच सत्र होंगे। राज्यपाल मिश्र ने 'क्रॉप इंप्रूवमेंट एंड म्यूटेशन ब्रीडिंग' पुस्तक का विमोचन किया। सेमिनार में कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल, पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम सहित शिक्षाविद, कृषि विशेषज्ञ, विश्वविद्यालय के डीन-डायरेक्टर, आचार्य तथा विद्यार्थी मौजूद रहे।

अमृत वाटिका की शुरूआत

इससे पहले राज्यपाल ने महाराज गंगा सिंह विश्वविद्यालय परिसर में अमृत वाटिका का लोकार्पण किया। अमृत वाटिका में संभाग के 137 शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के नाम पर पौधों का नामकरण किया गया है। इसमें बीकानेर के 22, चूरू जिले के 90, श्रीगंगानगर जिले के 12 तथा हनुमानगढ़ जिले के 13 शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के नाम शामिल हैं।

आवासीय छात्रावास का लोकार्पण

राज्यपाल ने कृषि विश्वविद्यालय परिसर में नवनिर्मित आवासीय छात्रावास का लोकार्पण किया। यह छात्रावास विवाहित शोध विद्यार्थियों के आवास के लिए उपयोग में लिया जाएगा। राज्यपाल ने गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा संचालित मरूशक्ति एग्री इन्नोवेटिव फूड इकाई का भ्रमण किया तथा यहां बनाए जा रहे बाजरे के मूल्य संवर्धित उत्पादों की जानकारी ली।

एक दिवसीय दौरे पर रहे राज्यपाल कलराज मिश्र : अमृत वाटिका और छात्रावास का किया लोकार्पण, राष्ट्रीय सेमिनार में बोले...

'किसानों की जरूरतों को समझते हुए शोध करें, ताकि पैदावार बढ़े और किसानों को लाभ हो'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

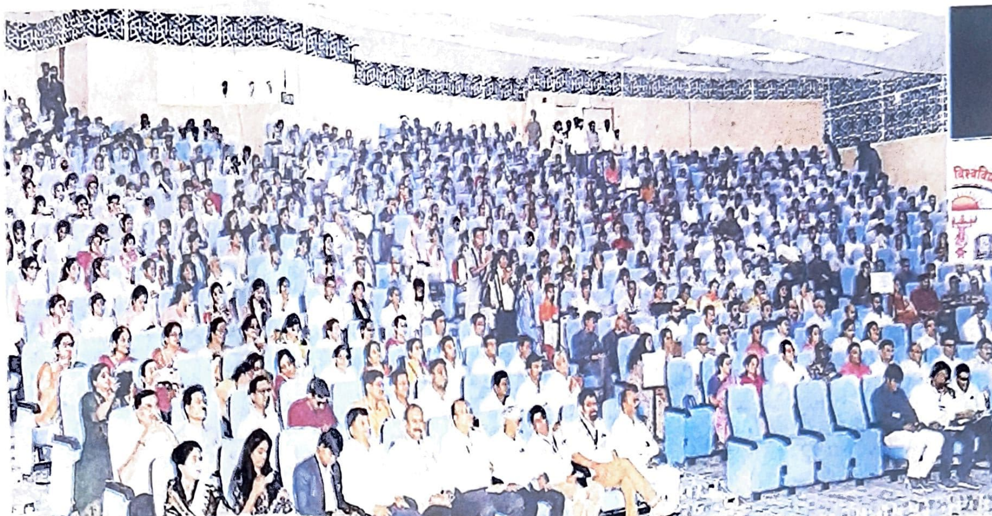

महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय में आयोजित सेमिनार में मौजूद विद्यार्थी व अतिथि। (इनसेट) संबोधित करते राज्यपाल कलराज मिश्र।

बीकानेर. बढ़ती जनसंख्या, छोटी होती जोत, प्राकृतिक संसाधनों की कमी, गिरता भू-जल स्तर, वनों की कटाई, ग्रीन हाउस गैसों के दुष्प्रभाव, मृदा की उर्वरा शक्ति में कमी और जलवायु परिवर्तन जैसी अनेक चुनौतियां कृषि के समक्ष हैं। ऐसे में किसानों के आर्थिक उत्थान में कृषि विश्वविद्यालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

यह बात सोमवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय (एसकेआरएयू) में कृषकों की आय वृद्धि के लिए कृषि में विविधिकरण विषय पर आयोजित दो दिवसीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र में राज्यपाल कलराज मिश्र ने कही।

उन्होंने कहा विश्वविद्यालय किसानों की आवश्यकताओं को समझते हुए ऐसे शोध करें, जिनसे पैदावार बढ़े और किसानों को आर्थिक लाभ हो। कृषि हमारी अर्थव्यवस्था की आर्थिक रीढ़ है। किसान समृद्ध होंगे, तो अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि इसे समझते हुए किसानों को पारंपरिक खेती के स्थान पर वैश्विक स्तर पर हो रहे बदलाव को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए, जिससे वे आत्मनिर्भर हो सकें।

नई शिक्षा नीति में विद्यार्थियों की रुचि व विकास पर विशेष ध्यान

महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय (एमजीएसयू) में हमारी शिक्षा प्रणाली में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को स्वीकृत करने की संभावनाएं और चुनौतियां विषयक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन हुआ। सेमिनार के समापन सत्र में राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की अवधारणा के साथ भारतीय जनमानस की आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति है। इसमें विद्यार्थियों की रुचि व विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसका उद्देश्य भारत को ज्ञान आधारित देश बनाना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्यापक दृष्टिकोण पर आधारित नीति है, जो भारत को पुनः विश्व गुरु बनने की ओर बढ़ाएगी।

एमजीएसयू में सेमिनार के दौरान शिक्षा नीति पर विचार व्यक्त करती छात्रा हर्षिता शर्मा।

एसकेआरएयू में आवासीय छात्रावास और एमजीएसयू में अमृत वाटिका का लोकार्पण

मरु शक्ति एग्री इन्नोवेटिव फूड इकाई का अवलोकन करते राज्यपाल।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने एसकेआरएयू परिसर में नवनिर्मित आवासीय छात्रावास का लोकार्पण किया। राज्यपाल ने गृह विज्ञान महाविद्यालय की ओर से संचालित मरू शक्ति एग्री इनोवेटिव फूड इकाई का भ्रमण किया तथा यहां बनाए जा रहे बाजरे के मूल्य संवर्धित उत्पादों की जानकारी ली। वहीं एमजीएसयू में तैयार अमृत वाटिका का लोकार्पण भी किया गया। अमृत वाटिका में संभाग के 137 शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के नाम पर पौधों का नामकरण किया गया है।

कृषि विज्ञान केंद्रों का करेंगे भ्रमण

राज्यपाल मिश्र ने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र, कृषि प्रसार के शिक्षा के प्रमुख केंद्र हैं। कृषि विज्ञान केंद्रों की ओर से अनेक नवाचार किए जा रहे हैं। इनसे किसानों को होने वाले लाभ को समझने और जानने के लिए वे अगले महीने से कृषि विज्ञान केंद्रों का भ्रमण करेंगे और किसानों के साथ संवाद करेंगे। इसको लेकर कार्यक्रम तैयार किया जाएगा।

बीकानेर के भाईचारे, आत्मीयता- अपनापन को बताया विशेष

राज्यपाल मिश्र ने बीकानेर के भाईचारे, आत्मीयता और अपनापन को विशेष बताया। साहित्य, कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में विशेष योगदान देने वाले डॉ. छगन मोहता, डॉ. श्रीलाल मोहता, हरीश भादाणी, मोहम्मद सदीक, अजीज आजाद, राजानंद भटनागर, निर्मोही व्यास, रामदेव आचार्य, यादवेंद्र शर्मा चंद्र और अन्नाराम सुदामा आदि के अवदान को याद किया। उन्होंने कहा कि अल्लाह जिलाई बाई की माड गायकी, लोकनाट्य परंपरा 'रम्मत', उस्ता कला और लघु चित्र शैलियां भी विशेष पहचान रखती हैं।

गर्मी से हाल-बेहाल, राज्यपाल ने भी किया जिक्र

कृषि विवि के विद्या मंडप में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के दौरान गर्मी ने काफी परेशान किया। इस दौरान हॉल में उपस्थित लोग पसीने से तर-बतर रहे। ऐसा तब था, जब हॉल में बड़ी संख्या में एसी भी लगे थे। मंच से राज्यपाल ने भी अत्यधिक गर्मी का जिक्र किया। वहीं एमजीएसयू में हॉल के अंदर पानी की व्यवस्था नहीं होने से परेशानी का सामना करना पड़ा।

इलेट्रिक वाहन पर राज्यपाल।

यह रहे उपस्थित

एसकेआरएयू में कुलपति डॉ. अरुण कुमार सिंह, बीटीयू के कुलपति डॉ. अम्बरीष शरण विद्यार्थी, राजूवास के कुलपति डॉ. सतीश कुमार गर्ग, जिला कलक्टर भगवती प्रसाद कलाल, पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम, पूर्व कुलपति डॉ. एके गहलोत तथा एमजीएसयू में कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित, बीकानेर पूर्व से विधायक सिद्धि कुमार, राजस्थान राज्य उच्च शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. डी.एस. चुंडावत सहित अन्य उपस्थित रहे।

क्युआर कोड स्कैन कर वीडियो देखें...

पंजाब केसरी
TUE, 12 SEPTEMBER 2023
EDITION: SHRI GANGA NAGAR, PAGE NO. 4

शैक्षिक नवाचारों को अपनाने से खुलेंगे आगे बढ़ने के रास्ते : राज्यपाल मिश्र

बीकानेर, 11 सितंबर
प्रेम : राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की अवधारणा के साथ भारतीय जनमानस की आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति है।

राज्यपाल मिश्र सोमवार को महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय में 'हमारी शिक्षा प्रणाली में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को स्वीकृत करने की संभावनाएं और चुनौतियां' विषयक राष्ट्रीय सेमिनार के समापन और अमृत वाटिका के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि नई शिक्षा नीति में विद्यार्थियों की रुचि व विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसका उद्देश्य भारत को ज्ञान आधारित देश बनाना है।

राज्यपाल कलराज मिश्र विश्वविद्यालय द्वारा किए गए नवाचार की जानकारी लेते हुए।

उन्होंने कहा कि शिक्षा वही सार्थक है, जिसमें नयेपन पर जोर हो। शैक्षिक नवाचारों को जितना अपनाया जाएगा, हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के रास्ते खुलेंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति व्यापक दृष्टिकोण पर आधारित नीति है, जो भारत को पुन: विश्व गुरु बनने की ओर बढ़ाएगी। शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परंपरा का समावेश किया गया है। उन्होंने कहा कि आज देश तेजी से विकास की ओर अग्रसर हो रहा है। भारत में विश्व को एक साथ रखकर विश्व बंधुत्व को साकार करने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा नीति के परिपेक्ष्य में समय-समय पर ऐसे आयोजन करे।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षा के साथ पारिस्थितिकी संतुलन और पर्यावरण संरक्षण विषय पर किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा अमृत महोत्सव के तहत अमृत वाटिका तैयार की गई है तथा इसके पौधों के साथ बीकानेर संभाग के शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के शिला फलक लगाकर पौधों का नामकरण शहीदों और सेनानियों के नाम पर किया गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा युवाओं में राष्ट्र प्रेम की भावना जागृत करने की उद्देश्य से विभिन्न नवाचार किए गए हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी और कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा जल्दी ही भारत के प्रमुख व्यक्तियों के नाम से भवनों और पार्कों का नाम नामकरण किया जाएगा।

इस दौरान पूर्व कुलपति डॉ. ए.के. गहलोत तथा राजस्थान राज्य उच्च शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. डी.एस. चुंडावत बतौर अतिथि मौजूद रहे। इससे पूर्व राज्यपाल ने दीप प्रज्वलन कर समापन सत्र की शुरुआत की। कुलसचिव अरुण प्रकाश शर्मा ने आगंतुकों का आभार जताया। इस दौरान बीकानेर पूर्व विधानसभा क्षेत्र विधायक सिद्धि कुमारी सहित विभिन्न प्रशासनिक अधिकारी, विश्वविद्यालय प्रबंधन बोर्ड और विद्या परिषद सदस्य, विभिन्न महाविद्यालयों के शिक्षक तथा विद्यार्थी मौजूद रहे।

अमृत वाटिका का किया लोकार्पण: इससे पहले राज्यपाल कलराज मिश्र ने विश्वविद्यालय परिसर में अमृत वाटिका का लोकार्पण किया। अमृत वाटिका में संभाग के 137 शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के नाम पर पौधों का नामकरण किया गया है।

इसमें बीकानेर जिले के 22, चूरू जिले के 90, श्रीगंगानगर जिले के 12 तथा हनुमानगढ़ जिले के 13 शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के नाम सम्मिलित हैं। उद्घटान के पश्चात राज्यपाल श्री मिश्र ने अमृत वाटिका का अवलोकन किया। उन्होंने महाराजा गंगा सिंह के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित की।

किसानों की आय बढ़ाने के लिए विविधीकरण की महत्ती आवश्यकता : राज्यपाल मिश्र

राज्यपाल ने किया स्वामी केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन

न्यूज सर्विस/नवज्योति, बीकानेर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि कृषि से जुड़ी मौसमी व अन्य चुनौतियों के मद्देनजर कृषि के उत्पादन, संग्रहण, विविधिकरण और कृषि विपणन के कारगर तरीकों पर चिंतन किया जाए। राज्यपाल मिश्र सोमवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में कृषकों की आय वृद्धि हेतु कृषि में विविधिकरण विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि बढ़ती जनसंख्या, छोटी होती जोत, प्राकृतिक संसाधनों की कमी, गिरता भू-जल स्तर, वनों का कटाव, ग्रीन हाउस गैसों के दुष्प्रभाव, मृदा की उर्वरा शक्ति में कमी और जलवायु परिवर्तन जैसी अनेक चुनौतियां कृषि के समक्ष हैं। ऐसे में किसानों के आर्थिक उत्थान में कृषि विश्वविद्यालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। विश्वविद्यालय किसानों की आवश्यकताओं को समझते हुए ऐसे शोध करें, जिनसे पैदावार बढ़े और किसानों को आर्थिक लाभ हो। उन्होंने कहा कि आज के दौर में किसानों की आय बढ़ाने के लिए विविधिकरण की महत्ती आवश्यकता है। कृषि वैज्ञानिक किसानों को एक फसल पर निर्भर नहीं रहते हुए विविधिकरण के लिए प्रेरित करें। ऐसी फसलों को प्रोत्साहित करें, जो कम पानी में पैदा हों तथा मौसम की मार झेल सकें। राज्यपाल मिश्र ने कहा कि कृषि हमारी अर्थव्यवस्था की आर्थिक रीढ़ है। किसान समृद्ध होंगे तो अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि इसे समझते हुए किसानों को परंपरागत खेती के स्थान पर वैश्विक स्तर पर हो रहे बदलाव को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए, जिससे वे आत्मनिर्भर हो सकें। कुलपति प्रो. अरुण कुमार ने कहा कि सेमिनार के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में कृषि विशेषज्ञ अपनी बात रखेंगे। सेमिनार के दौरान थीम आधारित पांच सत्र होंगे। सेमिनार में यंग साइंटिस्ट अवार्ड भी दिए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल मिश्र ने क्रॉप इंप्रूवमेंट एंड म्यूटेशन ब्रीडिंग पुस्तक का विमोचन किया। सेमिनार सचिव डॉ. पी.के. यादव ने आभार जताया। इस दौरान जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल, पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम सहित शिक्षाविद, कृषि विशेषज्ञ, विश्वविद्यालय के डीन-डायरेक्टर, आचार्य तथा विद्यार्थी मौजूद रहे।

आवासीय छात्रावास का किया लोकार्पण: राज्यपाल कलराज मिश्र ने विश्वविद्यालय परिसर में नवनिर्मित आवासीय छात्रावास का लोकार्पण किया। यह छात्रावास विवाहित शोध विद्यार्थियों के आवास के लिए उपयोग में लिया जाएगा। राज्यपाल ने गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा संचालित मरुशक्ति एग्री इनोवेटिव फूड इकाई का भ्रमण किया तथा यहां बनाए जा रहे बाजरे के मूल्य संवर्धित उत्पादों की जानकारी ली।

विश्वविद्यालय फसलों पर ऐसे शोध करें जिनसे पैदावार व आय बढ़ें : राज्यपाल

बीकानेर,(कासं)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि कृषि से जुड़ी मौसमी व अन्य चुनौतियों के मद्देनजर कृषि के उत्पादन, संग्रहण, विविधिकरण और कृषि विपणन के कारगर तरीकों पर चिंतन किया जाए। राज्यपाल मिश्र सोमवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 'कृषकों की आय वृद्धि हेतु कृषि में विविधिकरण' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि बढ़ती जनसंख्या, छोटी होती जोत, प्राकृतिक संसाधनों की कमी, गिरता भूजल स्तर, वनों का कटाई, ग्रीन हाउस गैसों के दुष्प्रभाव, मृदा की उर्वरा शक्ति में कमी और जलवायु परिवर्तन जैसी अनेक चुनौतियां कृषि के समक्ष है। ऐसे में किसानों के आर्थिक उत्थान में कृषि विश्वविद्यालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। विश्वविद्यालय किसानों की आवश्यकताओं को समझते हुए ऐसे शोध करें, जिनसे पैदावार बढ़े और किसानों को आर्थिक लाभ हो।

राज्यपाल मिश्र ने कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्र, कृषि प्रसार के शिक्षा के प्रमुख केन्द्र है। कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा अनेक नवाचार किए जा रहे हैं। इनसे किसानों को होने वाले लाभ को समझने और जानने के लिए वे अगले महीने से कृषि विज्ञान केन्द्रों का भ्रमण करेंगे और किसानों के साथ संवाद करेंगे। उन्होंने कहा कि आज के दौर में किसानों की आय बढ़ाने के लिए विविधिकरण की महती आवश्यकता है।

स्वामी केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन समारोह को राज्यपाल कलराज मिश्र ने संबोधित किया।

कृषि वैज्ञानिक किसानों को एक फसल पर निर्भर नहीं रहते हुए विविधिकरण के लिए प्रेरित करें। ऐसी फसलों को प्रोत्साहित करें जो कम पानी में पैदा हों तथा मौसम की मार झेल सकें। उन्होंने कहा कि फसलों में विविधिकरण अपनाते हुए अन्न के साथ दालें, सब्जियां, फल, फूल, मसाले और अन्य पौधों की निराई-गुड़ाई की जाए।

मिश्र ने कहा कि वर्ष 2023 को मोटे अनाज के उत्पादन और प्रोत्साहन के रूप में मनाया जा रहा है। हमारे देश में भी बाजरा, ज्वार जैसे मोटे अनाज बहुतायत में पैदा होते हैं। इनमें पारंपरिक फसलों की तुलना में कैल्शियम, पोटेशियम और लोहा जैसे पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में होते हैं। इसके मद्देनजर किसानों को मोटे अनाज उत्पादन के लिए प्रेरित किया जाए। इनकी पैकेजिंग और मार्केटिंग के लिए विश्वविद्यालय विशेष कार्यशालाएं आयोजित करें।

राज्यपाल मिश्र ने कहा कि कृषि हमारी अर्थव्यवस्था की आर्थिक रीढ़ है। किसान समृद्ध होंगे तो अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि इसे समझते हुए किसानों को पारंपरिक खेती के स्थान पर वैश्विक स्तर पर हो रहे बदलाव को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए, जिससे वे आत्मनिर्भर हो सकें। इससे पहले कुलपति प्रो. अरुण कुमार ने दो दिवसीय कार्यशाला के बारे में बताया।

उन्होंने कहा कि सेमिनार के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में कृषि विशेषज्ञ अपनी बात रखेंगे। सेमिनार के दौरान थीम आधारित पांच सत्र होंगे। सेमिनार में यंग साईंटिस्ट अवार्ड भी दिया जायेगा। उन्होंने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के बारे में बताया।

इससे पहले राज्यपाल कलराज मिश्र ने दीप प्रज्वलित कर सेमिनार का उद्घाटन किया। इसके बाद विश्वविद्यालय का कुल गीत प्रस्तुत किया गया। राज्यपाल ने संविधान की प्रस्तावना और मूल कर्तव्यों का वाचन किया। इस दौरान विश्वविद्यालय द्वारा तैयार डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन किया गया। राज्यपाल मिश्र ने 'क्रॉप इंप्रूवमेंट एंड म्यूटेशन ब्रीडिंग' पुस्तक का विमोचन किया। उन्होंने अपनी पुस्तक 'संविधान संस्कृति उज्जवल रहे' तथा 'शिक्षा की संस्कृति' की प्रतियां कुलपति डॉ. अरुण कुमार सिंह, बीटीयू के कुलपति डॉ. अम्बरीष शरण विद्यार्थी, राजुवास के कुलपति डॉ. सतीश कुमार गर्ग, पूर्व कुलपति डॉ. ए. के. गहलोत को भेंट की। सेमिनार सचिव डॉ. पी. के. यादव ने आभार जताया।

इस दौरान जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल, पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम सहित शिक्षाविद, कृषि विशेषज्ञ, विश्वविद्यालय के डीन-डायरेक्टर, आचार्य तथा विद्यार्थी मौजूद थे। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय परिसर में नवनिर्मित आवासीय छात्रावास का लोकार्पण किया।

- **राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि कृषि से जुड़ी मौसमी व अन्य चुनौतियों के मद्देनजर कृषि के उत्पादन, संग्रहण, विविधिकरण और कृषि विपणन के कारगर तरीकों पर चिंतन किया जाए**

किसानों की आय बढ़ाने के लिए विविधिकरण की महत्ती आवश्यकता- राज्यपाल मिश्र

स्वामी केशवानंद कृषि विवि में राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन

बीकानेर, (निसं)। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने कहा कि कृषि से जुड़ी मौसमी व अन्य चुनौतियों के मद्देनजर कृषि के उत्पादन, संग्रहण, विविधिकरण और कृषि विपणन के कारगर तरीकों पर चिंतन किया जाए। राज्यपाल श्री मिश्र सोमवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में कृषकों की आय वृद्धि हेतु कृषि मंत्र विविधिकरण विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बढ़ती जनसंख्या, छोटी होती जोत, प्राकृतिक संसाधनों की कमी, गिरता भू-जल स्तर, वनों का कटाई, ग्रीन हाउस गैसों के दुष्प्रभाव, मृदा की उर्वरा शक्ति में कमी और जलवायु परिवर्तन जैसी अनेक चुनौतियां कृषि के समक्ष हैं। उन्होंने कहा कि आज के दौर में किसानों की आय बढ़ाने के लिए विविधिकरण की महत्ती आवश्यकता है। फसलों में विविधिकरण अपनाते हुए अन्न के साथ दालें, सब्जियां, फल, फूल, मसाले और अन्य पौधों की निराई-गुड़ाई की जाए। वर्ष 2023 को मोटे अनाज के उत्पादन और प्रोत्साहन के रूप में मनाया जा रहा है। हमारे देश में भी बाजरा, ज्वार जैसे मोटे अनाज बहुतायत में पैदा होते हैं। इसके मद्देनजर किसानों को मोटे अनाज उत्पादन के लिए प्रेरित किया जाए। इससे पहले कुलपति प्रो. अरुण कुमार ने दो दिवसीय कार्यशाला के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि सेमिनार के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में कृषि विशेषज्ञ अपनी बात रखेंगे। सेमिनार के दौरान थीम आधारित पांच सत्र होंगे। सेमिनार में यंग साइंटिस्ट अवार्ड भी दिया जाएगा। उन्होंने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के बारे में बताया। इससे पहले राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने दीप प्रज्वलित कर सेमिनार का उद्घाटन किया। इसके बाद विश्वविद्यालय का कुल गीत प्रस्तुत किया गया। राज्यपाल ने संविधान की प्रस्तावना और मूल कर्तव्यों का वाचन किया। इस दौरान विश्वविद्यालय द्वारा तैयार डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन किया गया। राज्यपाल श्री मिश्र ने क्रॉप इम्प्रूवमेंट एंड म्यूटेशन ब्रीडिंग पुस्तक का विमोचन किया। इस दौरान जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल, पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम सहित शिक्षाविद, कृषि विशेषज्ञ, विश्वविद्यालय के डीन-डायरेक्टर, आचार्य तथा विद्यार्थी मौजूद रहे।

आवासीय छात्रावास का किया लोकार्पण

राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने विश्वविद्यालय परिसर में नवनिर्मित आवासीय छात्रावास का लोकार्पण किया। यह छात्रावास विवाहित शोध विद्यार्थियों के आवास के लिए उपयोग में लिया जाएगा। राज्यपाल ने गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा संचालित मरुशक्ति एग्री इनोवेटिव फूड इकाई का भ्रमण किया तथा यहां बनाए जा रहे बाजरे के मूल्य संवर्धित उत्पादों की जानकारी ली।

राज्यपाल ने किया स्वामी केशवानंद कृषि विश्विद्यालय में राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन किया

किसानों की आय बढ़ाने के लिए विविधिकरण की महत्ती आवश्यकता- राज्यपाल

जयपुर।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि कृषि से जुड़ी मौसमी व अन्य चुनौतियां के मद्देनजर कृषि के उत्पादन, संग्रहण, विविधिकरण और कृषि विपणन के कारगर तरीकों पर चिंतन किया जाए।

राज्यपाल मिश्र सोमवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में कृषकों की आय वृद्धि हेतु कृषि में विविधिकरण विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बढ़ती जनसंख्या, छोटी होती जोत, प्राकृतिक संसाधनों की कमी, गिरता भूजल स्तर, वनों का कटाई, ग्रीन हाउस गैसों के दुष्प्रभाव, मृदा की उर्वरा शक्ति में कमी और जलवायु परिवर्तन जैसी अनेक चुनौतियां कृषि के समक्ष हैं। ऐसे में किसानों के आर्थिक उत्थान में कृषि विश्वविद्यालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है विश्वविद्यालय किसानों की आवश्यकताओं को समझते हुए ऐसे शोध करें, जिनसे पैदावार बढ़े और किसानों को आर्थिक लाभ हो।

राज्यपाल मिश्र ने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र, कृषि प्रसार शिक्षा के प्रमुख केंद्र हैं। कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा अनेक नवाचार किए जा राहे हैं। नवाचारों किसानों को होने वाले लाभ को समझने और जानने के लिए वे अगले महीने से कृषि विज्ञान केंद्रों का भ्रमण करेंगे और किसानों के साथ संवाद करेंगे। उन्होंने

कहा कि आज के दौर में किसानों की आय बढ़ाने के लिए विविधिकरण की महत्ती आवश्यकता है। कृषि वैज्ञानिक किसानों को एक फसल पर निर्भर नहीं रहते हुए विविधिकरण के लिए प्रेरित करें। ऐसी फसलों को प्रोत्साहित करें, जो कम पानी में पैदा हों तथा मौसम की मार झेल सके।

मिश्र ने कहा कि वर्ष 2023 को मोटे अनाज के उत्पादन और प्रोत्साहन के रूप में मनाया जा रहा है। हमारे देश में भी बाजरा, ज्वार जैसे मोटे अनाज बहुतायत में पैदा होते हैं। इसके मद्देनजर किसानों को मोटे अनाज उत्पादन के लिए प्रेरित किया जाए। इनकी पैकेजिंग और मार्केटिंग के लिए विश्वविद्यालय विशेष कार्यशाला आयोजित करें।

राज्यपाल मिश्र ने कहा कि कृषि हमारे अर्थव्यवस्था की आर्थिक रीढ़ है। किसान समृद्ध होंगे तो अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

उन्होंने कहा कि इसे समझते हुए किसानों को पारंपरिक खेती के स्थान पर वैश्विक स्तर पर हो रहे बदलाव को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए, जिससे वे आत्मनिर्भर हो सकें।

किसानों की आय बढ़ाने के लिए विविधिकरण की महत्ती आवश्यकता: राज्यपाल कलराज मिश्र

राज्यपाल ने स्वामी केशवानंद कृषि विश्विद्यालय में राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन किया

बीकानेर (सच कहूँ न्यूज)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि कृषि से जुड़ी मौसमी व अन्य चुनौतियों के मद्देनजर कृषि के उत्पादन, संग्रहण, विविधिकरण और कृषि विपणन के कारगर तरीकों पर चिंतन किया जाए। राज्यपाल मिश्र सोमवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 'कृषकों की आय वृद्धि हेतु कृषि में विविधिकरण' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि बढ़ती जनसंख्या, छोटी होती जोत, प्राकृतिक संसाधनों की कमी, गिरता भू-जल स्तर, वनों का कटाई, ग्रीन हाउस गैसों के दुष्प्रभाव, मृदा की उर्वरा शक्ति में कमी और जलवायु परिवर्तन जैसी अनेक चुनौतियां कृषि के समक्ष हैं। ऐसे में किसानों के आर्थिक उत्थान में कृषि विश्वविद्यालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। विश्वविद्यालय किसानों की आवश्यकताओं को समझते हुए ऐसे शोध करें, जिनसे पैदावार बढ़े और किसानों को आर्थिक लाभ हो।

राज्यपाल मिश्र ने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र, कृषि प्रसार के शिक्षा के प्रमुख केंद्र हैं। कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा अनेक नवाचार किए जा रहे हैं। इनसे किसानों को होने वाले लाभ को समझने और जानने के लिए वे अगले महीने से कृषि विज्ञान केंद्रों का भ्रमण करेंगे और किसानों के साथ संवाद करेंगे। उन्होंने कहा कि आज के दौर में किसानों की आय बढ़ाने के लिए विविधिकरण की महत्ती आवश्यकता है। कृषि वैज्ञानिक किसानों को एक फसल पर निर्भर नहीं रहते हुए विविधिकरण के लिए प्रेरित करें। ऐसी फसलों को प्रोत्साहित करें, जो कम पानी में पैदा हों तथा मौसम की मार झेल सकें। उन्होंने कहा कि फसलों में विविधिकरण अपनाते हुए अन्न के साथ दालें, सब्जियां, फल, फूल, मसाले और अन्य पौधों की निराई-गुड़ाई की जाए।

मिश्र ने कहा कि वर्ष 2023 को मोटे अनाज के उत्पादन और प्रोत्साहन के रूप में मनाया जा रहा है। हमारे देश में भी बाजरा, ज्वार जैसे मोटे अनाज बहुतायत में पैदा होते हैं। इनमें पारंपरिक फसलों की तुलना में कैल्शियम, पोटेशियम और लोहा जैसे पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में होते हैं। इसके मद्देनजर किसानों को मोटे अनाज उत्पादन के लिए प्रेरित किया जाए। इनकी पैकेजिंग और मार्केटिंग के लिए विश्वविद्यालय विशेष कार्यशालाएं आयोजित करें।

राज्यपाल मिश्र ने कहा कि कृषि हमारी अर्थव्यवस्था की आर्थिक रीढ़ है। किसान समृद्ध होंगे तो अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि इसे समझते हुए किसानों को पारंपरिक खेती के स्थान पर वैश्विक स्तर पर हो रहे बदलाव को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए, जिससे वे आत्मनिर्भर हो सकें।

इससे पहले कुलपति प्रो. अरुण कुमार ने दो दिवसीय कार्यशाला के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि सेमिनार के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में कृषि विशेषज्ञ अपनी बात रखेंगे। सेमिनार के दौरान थीम आधारित पांच सत्र होंगे। सेमिनार में यंग साइंटिस्ट अवार्ड भी दिया जाएगा। उन्होंने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के बारे में बताया।

इससे पहले राज्यपाल कलराज मिश्र ने दीप प्रज्वलित कर सेमिनार का उद्घाटन किया। इसके बाद विश्वविद्यालय का कुल गीत प्रस्तुत किया गया। राज्यपाल ने संविधान की प्रस्तावना और मूल कर्तव्यों का वाचन किया। इस दौरान विश्वविद्यालय द्वारा तैयार डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन किया गया। राज्यपाल मिश्र ने 'क्रॉप इंप्रूवमेंट एंड म्यूटेशन ब्रीडिंग' पुस्तक का विमोचन किया।

आवासीय छात्रावास का किया लोकार्पण

राज्यपाल कलराज मिश्र ने विश्वविद्यालय परिसर में नवनिर्मित आवासीय छात्रावास का लोकार्पण किया। यह छात्रावास विवाहित शोध विद्यार्थियों के आवास के लिए उपयोग में लिया जाएगा। राज्यपाल ने गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा संचालित मरूशक्ति एग्री इन्नोवेटिव फूड इकाई का भ्रमण किया तथा यहां बनाए जा रहे बाजरे के मूल्य संवर्धित उत्पादों की जानकारी ली।

BIKANER 09/12/2023

ARBIT

SUDOKU

विश्वविद्यालय फसलों पर ऐसे शोध करें जिनसे पैदावार व आय बढ़ें : राज्यपाल

राजस्थान पत्रिका & दैनिक भास्कर
दिनांक : 12/09/23

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर

क्रमांक:- प.413/स्वाकेराकृवि/विधि/2023/1580 दिनांक:- 11.09.2023

केवियट सूचना

विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक पदों हेतु जारी भर्ती विज्ञापन संख्या 02/2023 दिनांक 11.09.2023 जारी किया है। इस संबंध में माननीय उच्च न्यायालय, जोधपुर तथा बैंच, जयपुर में राजस्थान उच्च न्यायालय नियम 159 के तहत केवियट दायर की जा रही है। अतः इससे संबंधित कोई रिट याचिका किसी भी व्यक्ति/ कर्मचारी द्वारा माननीय उच्च न्यायालय, जोधपुर तथा बैंच, जयपुर में दाखिल करने से पूर्व विश्वविद्यालय के निम्नांकित अधिवक्ताओं को याचिका के तथ्यों सहित सूचित करे ताकि विश्वविद्यालय को सुने बिना कोई आदेश पारित न हो :-

1. श्री जयदीप सिंह सलूजा, एडवोकेट, लक्की सदन, जसवंत होस्टल के पीछे, सुनारों की बगेची, समृद्धि सोसायटी, रातानाड़ा रोड, जोधपुर (मोबाईल नं. 8560994100)
2. श्री शाश्वत पुरोहित, एडवोकेट, 32 ए, जय अम्बे कॉलोनी, सिविल लाईन्स, जयपुर मोबाईल नं. (9829229322)

(अजीत कुमार गोदारा)
कुलसचिव